बिहार विधान परिषद

(बिहार विधान परिषद् का 194वां बजट सत्र)

28 फरवरी 2020

[शिक्षा - खान एवं भूतत्व - कला, संस्कृति एवं युवा विज्ञान एवं प्रावैधिकी].

16

सम्मानजनक वेतन का विचार

*57 **प्रो. नवल किशोर यादव (शिक्षक पटना):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि राज्य के माध्यमिक, उच्च माध्यमिक विद्यालयों में वेतनमान पर कार्यरत शिक्षकों एवं सभी सेवा संवर्गों के कर्मियों को सातवें वेतन पुनरीक्षण का लाभ दिया जा रहा है किन्तु वहीं विद्यालयों में अत्यधिक समय से कार्यरत नियोजित शिक्षकों के वेतन में कोई लाभ नहीं दिया जा सका है;

(ख) क्या यह सही है कि नियोजित शिक्षकों को समान कार्य के बावजूद भी चतुर्थवर्गीय कर्मियों के वेतन से भी कम वेतन मिल रहे हैं, जिससे नियोजित शिक्षकों में भारी असंतोष व्याप्त है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'क' एवं 'ख' की स्थिति में नियोजित शिक्षकों को भी सम्मानजनक वेतन देने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

विद्यालय की पुलिस कब्जे से मुक्ति

*58 **डा. रामवचन राय (मनोनीत):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि पटना के अशोक राजपथ पर अवस्थित टी.के.घोष एकेडमी राज्य का पुराना उच्च विद्यालय है, जहां प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद ने भी शिक्षा ग्रहण की थी;

(ख) क्या यह सही है कि उस विद्यालय का जीर्णोद्धार हुआ है और कुछ नये कमरे भी बने हैं;

(ग) क्या यह सही है कि विद्यालय के कई कमरों में पुलिस वाले रहते हैं जिससे छात्र-छात्राओं को असुविधा होती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक विद्यालय को पुलिस कब्जे से मुक्त करायेगी?

स्टेडियम का निर्माण

*59 **डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

कला, संस्कृति एवं युवा :-

क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि भागलपुर जिला के रंगरा चौक प्रखंड में अभी तक किसी स्टेडियम के निर्माण नहीं होने से युवाओं में खेल के प्रति निराशा का भाव पनप रहा है;

(ख) क्या सरकार खंड 'क' में वर्णित प्रखंड में भविष्य में भी स्टेडियम का निर्माण कराना चाहती है, नहीं तो क्यों?

व्यवस्था सुदृढ़ करने का विचार

*60 **श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

कला, संस्कृति एवं युवा :-

क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि पटना जिला के भरतपुरा में गोपाल नारायण सिंह पुस्तकालय एवं संग्रहालय की स्थापना वर्ष 1920 में हुई थी;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त संग्रहालय में बहुमूल्य पांडुलिपियां शाहनामा, सिकन्दरनामा, वैसालिक मुक्ता-उल-हिन्द मौजूद है जो रखरखाव के अभाव में नष्ट होने के कगार पर है;

(ग)   क्या यह सही है कि इस संग्रहालय को देखने के लिए देश-विदेश के लोग के साथ-साथ शोधार्थी भी भारी संख्या में आते रहते हैं;

(घ)   यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त संग्रहालय की पांडुलिपियों को बचाने के साथ-साथ रखरखाव की व्यवस्था को सुदृढ़ करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

कलाकारों को प्रोत्साहित

***61   श्री कृष्ण कुमार सिंह (विधान सभा):**

कला, संस्कृति एवं युवा :-

क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क)   क्या यह सही है कि अतिप्राचीन गया शहर में कला, संगीत व साहित्य के क्षेत्र में कई नामचीन हस्तियों ने शहर को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित कराया है और रंगकर्मियों के महत्वपूर्ण योगदान से वर्ष 1950 के बाद शहर का माहौल पूरी तरह से सांस्कृतिक हो गया था;

(ख)   क्या यह सही है कि गया शहर में नाटक विधा का अस्तित्व हाल के कुछ सालों से लगभग पूरी तरह से मिटने के कगार पर पहुंच गया है;

(ग)   क्या यह सही है कि नाट्य संस्थाओं के कलाकार शासन-प्रशासन की उपेक्षा की वजह से नाटक छोड़ दूसरे कामकाज में लग गए हैं;

यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार गया शहर के कलाकारों को प्रोत्साहित कर नाट्य संस्थाओं को जीवित करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

प्राध्यापक पद पर नियुक्ति

***62   श्री केदार नाथ पाण्डेय (सारण शिक्षक):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क)   क्या यह सही है कि राज्य के 9000 से अधिक सरकारी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में मात्र एक फीसदी स्थायी प्रधानाध्यापक कार्यरत हैं;

(ख)   क्या यह सही है कि प्रधानाध्यापक के अभाव में इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, वित्तीय अनुशासन, शैक्षिक अनुशासन आदि संभव नहीं हो पा रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि इन विद्यालयों में 10 वर्षों से भी अधिक समय से प्रधानाध्यापक पद की अर्हता रखने वाले नियोजित शिक्षक कार्यरत हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार 10 वर्षों का अनुभव रखने वाले नियोजित शिक्षकों को सीधी भर्ती के द्वारा प्रधानाध्यापक पद पर नियुक्त करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

पंजराडीह नवीन भवन का निर्माण

*63 **श्री संजय प्रसाद (मुंगेर स्थानीय प्राधिकार):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि चकाई प्रखंड के ग्राम पंजराडीह में नवीन प्राथमिक विद्यालय का भवन काफी जर्जर स्थिति में है, उस स्कूल में बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है जहां कभी कोई अप्रिय घटना घट सकती है;

(ख) क्या यह सही है कि नवीन प्राथमक विद्यालय, पंजराडीह स्कूल की तरफ आज तक किसी भी शिक्षा विभाग के पदाधिकारी की नजर नहीं पड़ी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पंजराडीह नवीन प्राथमिक विद्यालय का भवन निर्माण कराना चाहती है?

दैनिक मैन्यू से भोजन

*64 **श्री आदित्य नारायण पाण्डेय (गोपालगंज स्थानीय प्राधिकार):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि गोपालगंज के कुचायकोट प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, अमवा, विजीयपुर में मूलभूत सुविधा का अभाव है;

(ख) क्या यह सही है कि भोजन के मैन्यू को अनदेखा कर घटिया भोजन बच्चों को दिया जाता है, साथ ही अंडा व फल भी नहीं दिया जा रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि विद्यालय के भवन में ही रसोई चलता है तथा उसी में बच्चे पढ़ाई करते हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त विद्यालय में मूलभूत सुविधा सहित बच्चों को दैनिक मैन्यू से भोजन कब से देगी, यदि नहीं तो क्यों?

विद्यालय भवन निर्माण कार्य का विचार

***65 डा. वीरेन्द्र नारायण यादव (स्नातक सारण):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि सारण (छपरा) जिलान्तर्गत इसवापुर प्रखंड स्थित बजरिया ग्राम में विद्यालय भवन का निर्माण कार्य कराने हेतु राशि आवंटित की गई थी;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त ग्राम में स्कूल भवन निर्माण कार्य के लिए आवंटित राशि निकासी के बावजूद विद्यालय भवन का निर्माण कार्य अबतक नहीं हो सका है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राशि निकासी भरने वाले पर त्वरित कार्रवाई करके विद्यालय भवन निर्माण कार्य कराने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों?

नये भवन का निर्माण

***66 श्री मनोज यादव (भागलपुर,बॉका स्थानीय प्राधिकार):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि बांका जिलान्तर्गत ककवारा पंचायत के हरपुर गांव में तीन वर्ष पहले ही प्राथमिक विद्यालय की छत एवं दीवार गिर गयी थी;

(ख) क्या यह सही है कि खंड (क) में वर्णित प्राथमिक विद्यालय की जमीन रहते हुए भी छात्रों की पढ़ाई खुले मैदान में एक पेड़ के नीचे हो रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय के लिए नये भवन का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

उच्च विद्यालय खोलने के सम्बन्ध में

***67 श्री रजनीश कुमार (बेगूसराय स्थानीय प्राधिकार):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

क. क्या यह सही है कि सरकार ने राज्य के सभी पंचायतों में उच्च विद्यालय खोलने का निर्णय किया है?

ख. क्या यह सही है कि वैसे पंचायत जो नगर निगम, नगर परिषद् या नगर पंचायत में चले गये वहाँ उच्च विद्यालय की व्यवस्था अभी तक नहीं है?

ग. यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार नगर निगम, नगर परिषद् एवं नगर पंचायत के परिसीमन में पड़ने वाले पंचायतों में उच्च विद्यालय खोलने का निर्णय लेना चाहती है? यदि हाँ तो कब तक,नहीं तो क्यों?

विद्यालय को जमीन उपलब्ध कबतक

*68 **श्री राधाचरण साह (स्थानीय प्राधिकार, भोजपुर एवं बक्सर):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि राज्य की सभी 8386 पंचायतों में अप्रैल 2020 से राज्य सरकार नौवीं की पढ़ाई आरंभ करने जा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि 2950 ऐसी पंचायतें हैं, जहां हाई स्कूल या प्लस टू विद्यालय नहीं हैं, जिसके कारण छात्रों को आने-जाने में काफी कठिनाई उठाना पड़ता है;

(ग) क्या यह सही है कि राज्य की 55 पंचायतें ऐसी हैं जहां नौवीं की पढ़ाई के लिए किसी मध्य विद्यालय के पास न तो विस्तार के लिए जमीन है और न ही इसके लिए जरूरी दो अतिरिक्त वर्ग कक्षाएं हैं;

यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बतलाएगी कि किसी मध्य विद्यालय के पास न तो विस्तार के लिए जमीन है और न ही इसके लिए दो अतिरिक्त वर्ग कक्षाएं हैं, उन विद्यालयों को सरकार जमीन उपलब्ध कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

वेतनमान देने का विचार

*69 **प्रो. संजय कुमार सिंह (तिरहुत शिक्षक):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि राज्य के सभी मदरसा, संस्कृत एवं अल्पसंख्यक विद्यालयों के शिक्षकों को सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की भांति नियत वेतन के बदले

वेतनमान नहीं दिया गया है जबकि सरकार के द्वारा इस संबंध में घोषणा भी की गई है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार खंड 'क' में वर्णित विद्यालयों के शिक्षकों को भी नियत वेतन के बदले वेतनमान देने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

मॉडल स्कूलों का निर्माण

*70 **श्री सुमन कुमार (मधुबनी स्थानीय प्राधिकार):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला अंतर्गत मॉडल स्कूलों का निर्माण वर्षों से लंबित है;

(ख) क्या यह सही है कि मॉडल स्कूल के निर्माण हेतु सभी प्रक्रिया को पूरा करने के बावजूद आज तक निर्माण की दिशा में कोई आवश्यक पहल नहीं की जा रही है;

(ग) क्या यह सही है कि मॉडल स्कूल के निर्माण को लेकर अभिभावकों तथा शिक्षकेतर कर्मियों में काफी रोष व्याप्त है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार मधुबनी जिला अंतर्गत मॉडल सकूलों का निर्माण यथाशीघ्र कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

नियमानुसार दायित्वों का निर्धारण

*71 **डा. दिलीप कुमार चौधरी (स्नातक दरभंगा):**

कला, संस्कृति एवं युवा :-

क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि विभग के राजपत्रित वर्ग-2 के अधिकारियों की वरीयता का निर्धारण पूर्व में हो चुका है परन्तु कुछ अधिकारियों द्वारा जान/बूझकर वरीयता सूची का प्रकाशन नहीं किया जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि है;विभाग में कनीय अधिकारी, वरीय पद पर आसीन हैं और वरीय अधिकारियों को अपने से कनीय अधिकारियों के तातहत सेवा करनी पड़ रही है;

(ग) क्या यह सही है कि वरीयता सूची प्रकाशित नहीं होने से विभाग में भ्रष्टाचार

को बल मिल रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वरीयता सूची का प्रकाशन करते हुए वरीय एवं कनीय अधिकारियों का नियमानुसार दायित्वों का निर्धारण करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

जलकरों का हस्तांतरण

***72 श्री अर्जुन सहनी (विधान सभा):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के ज्ञापांक संख्या-445, दिनांक 4.03.2002 के पत्र के आलोक में उच्च शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा अपने पत्रांक 429, दिनांक 16.03.2002 के द्वारा राज्य के सभी विश्वविद्यालय के कुलपतियों को पत्र लिखा गया कि विश्वविद्यालय के नियंत्रणाधीन जलकरों को पशु एवं मत्स्य विभाग में हस्तांतरित किया जाय;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार शिक्षा विभाग, बिहार, पटना विश्वविद्यालय के नियंत्रणधीन सभी जलकरों का हस्तांतरण पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग में करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?